पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़

प्रिलिम्स के लिये:

भौगोलिक घटना, बाढ़, भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार।

मुख्य परीक्षा के लिये:

बाढ़ के कारण, जीवन और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव।

चर्चा में क्यों?

भारत, पाकिस्तान में भीषण मानसून के कारण आई विनाशकारी बाढ़ से निपटने हेतु मानवीय सहायता प्रदान करेगा।

- जलवायु संकट पाकिस्तान में विनाशकारी पैमाने पर बाढ़ का प्रमुख कारण है, जिसमें 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और 30 मिलियन प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान को भारतीय सहायता:

- वर्ष 2014 के बाद यह पहली बार होगा जब भारत प्राकृतिक आपदा के कारण पाकिस्तान को सहायता प्रदान करेगा।
- पूर्व में भारत ने वर्ष 2010 में आई बाढ़ और वर्ष 2005 में आए भूकंप के दौरान पाकिस्तान को सहायता प्रदान की थी।

भारत और पाकिस्तान के मध्य द्विपक्षीय व्यापार:

- पाकिस्तान ने भारत के साथ सभी व्यापार को निलंबित करने के दो वर्ष पुराने निर्णय को आंशिक रूप से पलटते हुए वर्ष 2021 में **भारत से कपास और चीनी के आयात की अनुमति दी।**
- भारत सरकार द्वारा [अनुच्छेद 370 में संशोधन]() एवं **जम्मू और कश्मीर को पुनर्गठित** करने के कुछ दिनों बाद, **अगस्त 2019 में पाकिस्तान सरकार द्वारा व्यापार गतिविधियों को रद्द** करने का निर्णय लिया था
- वर्षों से भारत का पाकिस्तान के साथ **व्यापार अधिशेष** रहा है, निर्यात की तुलना में बहुत कम आयात रहा है।
  - उरी आतंकी हमले और **वर्ष 2016 में पाकिस्तान के नियंत्रण वाले कश्मीर (PoK)** में भारतीय सेना के सर्जिकल स्ट्राइक के पश्चात संबंध बिगड़ने के बाद **वर्ष 2015-16** की तुलना में **वर्ष 2016-17** में पाकिस्तान को भारत का निर्यात लगभग **16% गिरकर82 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया था।
- निरंतर तनाव के बावजूद, बाद के वर्षों में दोनों देशों के मध्य **व्यापार में मामूली वृद्धि हुई**।

पाकिस्तान में भयंकर बाढ़ का कारण:

- **अत्यधिक आर्द्र मानसून::**
  - वर्तमान बाढ़ इस वर्ष अत्यधिक आर्द्र मानसून के मौसम का प्रत्यक्ष परिणाम है।
  - वही दक्षिण-पश्चिम मानसून जो भारत की वार्षिक वर्षा का बड़ा हिस्सा लाता है, पाकिस्तान में भी वर्षा का कारण बनता है।
    - हालाँकि, पाकिस्तान में मानसून का मौसम भारत की तुलना में थोड़ा कम अवधि का है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्षा वाली मानसूनी हवाएँ भारत को पार करके से उत्तर की ओर पाकिस्तान में जाने में समय लेती हैं।
  - बलूचिस्तान और सिंध जैसे क्षेत्रों में औसत वर्षा में 400% की वृद्धि हुई है, जिसके कारण अत्यधिक बाढ़ आई है।
- **अत्यधिक तापमान:**
  - मई 2022 में पाकिस्तान में तापमान लगातार 45C° (113F°) से ऊपर रहा।
  - गरम हवा में प्रति डिग्री सेल्सियस (4% प्रति डिग्री फारेनहाइट) लगभग 7% अधिक नमी होती है।
  - अतिरिक्त वर्षा से नदियों में बाढ़ आने के साथ, पाकिस्तान अचानक बाढ़/फ्लैश फ्लड के एक और स्रोत से प्रभावित है।

- अत्यधिक गर्मी या चरम तापमान ग्लेशियर की पिघलने की प्रक्रिया को दीर्घकालिक रूप से तेज़ करती है, जिसके कारण **हिमालय** से पाकिस्तान तक जल प्रवाह की गति अत्यधिक हो जाती है और खतरनाक घटना का रूप धारण कर लेती है, जिसे ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड/अचानक बाढ़/फ्लैश फ्लड कहा जाता है।
- **अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO):**
  - **अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)** अपने ला नीना चरण में प्रतीत होता है।
  - "ला नीना कुछ क्षेत्रों में बहुत दृढ़ता से व्यवहार कर रहा है और मानसूनी वर्षा को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण कारक है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. उच्च तीव्रता वाली वर्षा के कारण शहरी बाढ़ की आवृत्ति वर्षों से बढ़ रही है। शहरी बाढ़ के कारणों पर चर्चा करते हुए, ऐसी घटनाओं के दौरान जोखिम को कम करने की तैयारी के लिये तंत्र पर प्रकाश डालिये। (मुख्य परीक्षा, 2016)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pakistan-devastating-floods